वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 235 | सोमवार 22 दिसम्बर 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राज्य सरकार के 2 वर्ष के उपलक्ष्य पर रन फॉर विकसित राजस्थान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रन फॉर विकसित राजस्थान को दिखाई हरी झंडी

हर वर्ग के उत्थान के लिए किए गए निर्णय

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने दो वर्ष के कार्यकाल में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। राज्य सरकार ने हर क्षेत्र और हर वर्ग के उत्थान के लिए निर्णय लिए हैं। विशेषकर युवाओं के सशक्तीकरण के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं। उन्होंने युवाओं से स्वस्थ दिनचर्या का पालन करते हुए फिट रहने तथा प्रदेश के विकास में सक्रिय योगदान देने की अपील की जिससे प्रदेश नई ऊंचाइयों को छू सके। उन्होंने कहा कि अगर प्रदेशवासी एक कदम आगे बढ़ेंगे तो राजस्थान कई गुना आगे बढ़ेगा।

हमारी सरकार के कार्यकाल में 296 भर्ती परीक्षाएं आयोजित की गई, एक भी पेपरलीक नहीं हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में रविवार को रन फॉर विकसित राजस्थान कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने अमर जवान ज्योति से रन फॉर विकसित राजस्थान को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि गत सरकार के समय युवाओं के सपनों को रौंदते हुए पेपरलीक के अनेक प्रकरण हुए थे जबकि हमारी सरकार के कार्यकाल में 296 भर्ती परीक्षाएं आयोजित की गई, उनमें से एक भी पेपरलीक नहीं हुआ है। हमारा लक्ष्य है कि युवाओं को पांच साल में चार लाख सरकारी नौकरियां दी जाएं। इसी क्रम में राज्य सरकार ने दो वर्ष के कार्यकाल में अब तक 92 हजार से अधिक नियुक्तियां प्रदान की हैं तथा 1.53 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। साथ ही, इस माह भी लगभग 20 हजार पदों पर युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू में से 8 लाख करोड़ रुपये की ग्राउंड ब्रेकिंग की जा चुकी है। राज्य सरकार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दे रही है, जिससे वे अब रोजगार प्रदाता भी बन रहे हैं।

हमारी सरकार ने राज्य के विकास के लिए रोडमैप बनाकर कार्य किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने जब एक वर्ष का कार्यकाल पूरा किया था, तब अपने कार्यों का रिकॉर्ड लेकर जनता के बीच गए थे तथा अब भी राज्य सरकार के दो साल पूरे होने पर हम अपने कार्यों का रिपोर्ट कार्ड लेकर जनता के सामने जा रहे है। गांव-गांव, ढाणी-ढाणी तक विकास कार्यों की जानकारी पहुंचाई जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने राज्य के विकास के लिए रोडमैप बनाकर कार्य किया है। हमने प्रदेश में बिजली, पानी, उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में अनेक अभूतपूर्व निर्णय लिए हैं। साथ ही, राज्य सरकार किसान, महिला, युवा, मजदूर सहित सभी वर्गों के सशक्तीकरण के लिए भी निरंतर कार्य कर रही है। इस अवसर पर युवा मामले और खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार ने दो वर्ष में हर क्षेत्र में काम किया हैं, जिससे युवाओं को रोजगार के अनेक अवसर मिले हैं। हमारी सरकार राज्य को भारत में अग्रणी स्टेट बनाने की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रतिभागियों के साथ दौड़ में हिस्सा लेकर उनका उत्साहवर्धन भी किया। इससे पहले सीएम शर्मा ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के पदक विजेताओं का सम्मान भी किया। इस दौरान विधायक कुलदीप, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, शासन सचिव युवा मामले एवं खेल नीरज के. पवन सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागी मौजूद रहे।

प्रमोद जैन (चोरडिया) मानवाधिकार रत्न अवाड्र्स 2025 से होंगे सम्मानित

जयपुर। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार सामाजिक न्याय आयोग (IHRSJC) द्वारा प्रमोद जैन (चोरडिया) को बेस्ट सोशल एक्टिविटीज वेल्फेयर अवार्ड 2025 के लिए चुना गया है। यह प्रतिष्ठित मानवाधिकार रत्न अवार्ड आगामी 25 दिसंबर 2025 को राज आंगन रिसॉर्ट, पत्रकार कॉलोनी, मानसरोवर, जयपुर में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया जाएगा।

स्व.पूज्य पिता श्री कस्तूरचंद बाबरिया स्व.माताश्री धापू बाईजी बाबरिया की स्मृति में लगाया गया नेत्र शिविर

मंगलाष्टक नमोकार महामंत्र के साथ शुरू हुए भारत विकास परिषद का ऐतिहासिक नेत्र शिविर संपन्न

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया

भारत विकास परिषद का प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष में लगने वाला नेत्र शल्य एवं चिकित्सा शिविर संपन्न हुआ इस वर्ष शिविर के प्रायोजक सुरेश कुमार,सिद्धार्थ कुमार बाबरिया (दौतडा वाले) द्वारा स्व.पूज्य पिता श्री कस्तूरचंद जी व स्व.माताश्री धापू बाईजी बाबरिया की स्मृति में लगाया गया। इस शिविर में 683 मरीजों की ओपीडी रही जिनकी आंखों की जांच कोटा भारत विकास परिषद के नेत्र विशेषज्ञ डॉ.राहुल गर्ग व उनकी सहयोगी टीम द्वारा मोतियाबिंद के 256 व नाखून के 11 कुल 267 रोगियों को ऑपरेशन योग्य पाये जाने पर चयनित किया। जिसमें से आज लगभग 80 मरीजों को ऑपरेशन के लिए कोटा भारत विकास परिषद कोटा की बस द्वारा रवाना करवाया शिविर के शेष ऑपरेशन 3 दिन में संपूर्ण होंगे। परिषद के संजय पतीरा व सुनील जैन ने बताया कि भारत विकास परिषद प्रतिवर्ष नेत्र शल्य चिकित्सा शिविर करवाता है इस वर्ष का यह नेत्र चिकित्सा शिविर ऐतिहासिक रहा जिसका कारण है विगत 6 दिन में रामगंजमंडी क्षेत्र में दो नेत्र शल्य चिकित्सा शिविर आयोजित हो चुके हैं उसके बावजूद भारत विकास परिषद के ऊपर इस क्षेत्र वासियों की विश्वास दर्शाता है जिसके कारण ही इतने मरीजों का ओपीडी होना व ऑपरेशन के लिए भारत विकास परिषद को ही चयन करना परिषद के प्रति हृदय से विश्वास प्रदर्शित करता है। आगामी 3 वर्ष के गुप्त प्रयोजको ने अपने द्वारा शिविर लगाने की स्वीकृति प्रदान की गई हैं। सभी धार्मिक संस्थाओं,व्यापारिक संगठनों एवं सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी व कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे। शिविर शुभारंभ से पूर्व श्री प्रशांत जैन आचार्य ने मंगलाष्टक एवं णमोकार मंत्र के उच्चारण के साथ शिविर का प्रारंभ करवाया इसके बाद दीप प्रज्वलित किया गया एवं शिविर के प्रायोजक सुरेश कुमार,सिद्धार्थ कुमार बाबरिया (दौतडा वाले) परिवार का सम्मान किया गया।

-अभिषेक जैन लुहाड़िया
रामगंजमंडी की रिपोर्ट

पार्श्वनाथ एवं चंद्र प्रभ जन्म तप कल्याणक पर्व पर आयोजित वर्किंग मॉडल प्रतियोगिता में 19 बच्चे पुरस्कृत

दिगंबर जैन पाठशाला डडूका द्वारा भगवान पार्श्वनाथ एवं चंद्र प्रभ जन्म तप कल्याणक पर्व पर आयोजित वर्किंग मॉडल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले 19 बच्चों को वीरेंद्र सागरमल शाह बाबूजी परिवार द्वारा सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। पाठशाला परिसर में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि वीरेंद्र शाह थे। पाठशाला प्रेरक अजीत कोठिया ने बताया कि वर्किंग मॉडल प्रतियोगिता में प्रथम हर्षल जैन, द्वितीय देवर्ष जैन, तृतीय सांची जैन, माही जैन तथा दिव्य जैन को अतिथियों ने सम्मानित कर पुरस्कार दिए। आयोजन मे 11मॉडल बनाने वाले सभी बच्चों रियल जैन, सिद्धम जैन, जियाना, भाग्य, कथनी, चर्या, भाग्य ए, पुष्टि, क्रिया, वैदिक, सृष्टि, जीयांशी, योग्य तथा कल्प जैन को भी सांत्वना पुरस्कार दिये गए। कार्यक्रम संचालन अजीत कोठिया ने किया, आभार रियल जैन ने व्यक्त किया।

सिद्धचक्र विधान में 128 अर्घ्य समर्पित कर की सिद्ध भगवान की आराधना

टीकमगढ़. शाबाश इंडिया

श्री 1008 सिद्ध क्षेत्र अहार जी मे सिद्धचक्र महामंडल विधान का आयोजन मुनिश्री श्रुतेश सागर मुनि श्री सुश्रुतेश महाराज के सानिध्य में विधानाचार्य बा.ब्र.संजय भैया,पंडित दीपक जी हजारीबाग,पंडित कमल कुमार शास्त्री लार के कुशल निर्देशन मे किया जा रहा |दिन रविवार को 128 अर्घ्य समर्पित कर सिद्ध भगवान की आराधना की गई। श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान में रविवार को अनुष्ठान में श्रीजी का अभिषेक एवं रिद्धि मंत्रों के साथ जगत कल्याण के लिये वृहद शांतिधारा की गई। बीजाक्षरों का उच्चारण मुनिश्री ने किया। इसके बाद नित्य पूजन व सम्मुचय की पूजन के पश्चात विधान किया गया। पूज्य मुनिश्री ने इस अवसर पर कहा कि महासती मैना सुंदरी ने इस अनुष्ठान को करके अपने कोढ़ी पति को कुष्ठ रोग से मुक्त कर लिया था। वजह सिर्फ यहीं थी कि उसने मुनिश्री के वचनों पर श्रद्धा करके सिद्धचक्र महामंडल की आराधना भक्ति भाव से की थी और यदि हम अंतरंग भक्ति से सिद्धों का अनुष्ठान करेंगे तो हम भी परम पद को पाने की ओर अग्रसर होंगे। श्रद्धालुओं को मंगल आशीष देते हुए कहा कि हम अपने दैनिक जीवन में मन से, वचन से, शरीर से कार्य करना, कराना एवं करने वाले की अनुमोदना करना, क्रोध के कारण, मान के कारण, माया के कारण, लोभ के कारण, किसी कार्य को करने का विचार करना, कार्य करने के साधन जुटाना एवं कार्य को प्रारंभ करना इस प्रकार से कुल 108 प्रकार के पापों का आश्रव करते रहते हैं। सिद्ध परमेष्ठी इन 108 प्रकार के पापों से रहित होते हैं। हम भी अपने इन 108 पापों को नष्ट कर 20 विशेष गुणों को प्राप्त कर सकें इसी कामना के साथ इस सिद्ध चक्र महामंडल विधान में आज के दिन 128 अर्घ्यों के माध्यम से सिद्ध भगवान की आराधना की गई। महा आरती का सौभाग्य आकाश सिंघई को प्राप्त हुआ |रात्रि महावीर जी आई पलक जैन एवं स्थानीय संगीतकार प्रवीण जैन ने स्वर लहरियों ने सभी का मन मोह लिया |इसके पश्चात तम्बोला प्रतियोगिता आयोजित कि गई |पुनर्यजक परिवार अशोक जैन शिक्षक द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

मुनि श्री अनुकरण सागर जी के सानिध्य में एक दिवसीय उपनयन संस्कार शिविर हुआ सम्पन्न

भिंड. शाबाश इंडिया। नगर के महावीर गंज चंदाप्रभु जिनालय में विराजमान पाठशाला प्रेरक मुनिश्री 108 बालमुनि अनुकरण सागर जी महाराज जी के मंगल सानिध्य में महावीर गंज में स्थित श्री 1008 चंदाप्रभु जिनालय में एक दिवसीय संस्कार शिविर का आयोजित हुआ जिसमें मुनि श्री के द्वारा शिविर में सभी श्रावक श्राविका को पांच कुटुंबर तीन माकार प्रति दिन देव दर्शन करना माता पिता के चरण स्पर्श करना पानी छानकर पानी जैन कुल में शादी करना हमारे संस्कार है। जिसमे सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित हुए। जिसमे जगदीश जैन, कमलेश जैन, बॉबी जैन, पंकज जैन, नीरज जैन, राजू जैन, विनोद जैन, मुकेश जैन, समाज सेविका रानी जैन, सुनीता जैन, लक्ष्मी जैन महावीर महिला मंडल बजरिया उपस्थित रही। कार्यक्रम के दौरान समाजसेविका रानू ठाकुर ने प्रोग्राम में आयोजन में गुरुदेव का लिया मंगल आशीर्वाद। **-सोनल जैन की रिपोर्ट**

नचिकेतन पब्लिक स्कूल में वार्षिक शीतकालीन महोत्सव धूमधाम से मनाया गया

ऐलनाबाद. शाबाश इंडिया

शहर के ममेरां रोड बाईपास स्थित नचिकेतन पब्लिक स्कूल के भव्य ओडिटोरियम में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी वार्षिक शीतकालीन महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में विद्यालय चैयरमैन राजेन्द्र सिंह सिद्धु व विशिष्ट अतिथि के रूप में सचिव छबील दास सुथार ने शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्यातिथि विद्यालय चैयरमैन राजेन्द्र सिंह सिद्धु, सचिव छबील दास सुथार, निदेशक रणजीत सिंह सिद्धु, प्रशासक अशोक कुमार मोहराना, प्राचार्य सत्यानारायण पारीक, प्रबंधन समिति के सदस्य परमिन्द्र सिंह सिद्धु, कपिल सुथार, शिवम सुथार व मनोज सुथार ने मां सरस्वती की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलित कर किया। विद्यालय प्राचार्य सत्यनारायण पारीक द्वारा दिए गए संबोधन में उन्होंने बच्चों और अभिभावकों से संवाद किया और बच्चों के स्वर्णिम भविष्य को लेकर विद्यालय की प्रतिबद्धता दोहराई। इस कार्यक्रम में कक्षा नर्सरी से द्वितीय तक के बच्चों ने भिन्न-भिन्न प्रकार की व सुंदर वेषभुषाएं पहनकर विभिन्न प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की वार्षिक गतिविधियों में प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहे बच्चों को भी सम्मानित किया। मंचसंचालन के रूप में अध्यापिका कंचन मैहता की अहम भूमिका रही। अपने संम्बोधन में मुख्यातिथि ने सभी बच्चों व उन्हें तैयार करने वाले अध्यापकों को उनकी कड़ी मेहनत के लिए प्रशंसा की। कार्यक्रम के समापन में विद्यालय प्राचार्य ने आए हुए सभी मेहमानों, सभी अभिभावकों, प्रतिभागी बच्चों, अध्यापकों, सहकर्मियों व वॉलंटियरस् का कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद किया।

वेद ज्ञान

पितरों के तर्पण का शुभ दिन

मार्गशीर्ष अमावस्या इस बार शनिवार को है। इस अमावस्या का अद्भुत फल है। उच्च का बृहस्पति वृश्चिक राशि में बैठे सूर्य, शनि, शुक्र और चंद्रमा को पांचवीं दृष्टि और केतु को नवम दृष्टि से देख कर गुरु कृपा बरसा रहा है। ग्रहों की इस बलवान स्थिति में अमावस्या का होना इस बात का संकेत है कि हम अपने पितरों को हर हा में इस दिन स्मरण करें और जो कुछ भी हमारे पास उपलब्ध है, पूरे परिवार के साथ उन्हें अर्पित करें। यूं तो हर अमावस्या का अपना महत्व है, लेकिन शनैश्चरी अमावस्या के दिन अपने पितरों को अर्पित किया गया भोग और तर्पण हमारे बहुत से संकटों को समाप्त कर जीवन पथ पर विकास का मार्ग उपलब्ध कराता है। जिन लोगों की जन्मराशि मेष और सिंह है, उन पर शनि की ढैया और जिनकी तुला, वृश्चिक और धनु राशि है, उन्हें शनि की साढ़ेसाती से जूझना पड़ रहा होगा। इन लोगों को इस दिन पिप्पलाद मुनि की कथा, जिसका वर्णन भविष्यपुराण में मिलता है और पद्मपुराण में वर्णित राजा दशरथ द्वारा रचित शनि स्तोत्र का पाठ अवश्य करना चाहिए। अगर आपका मेष, वृष, कन्या, तुला, मकर और कुंभ लग्न है और शनि की साढ़ेसाती और ढैया वाली राशियों में आपकी राशि भी शामिल है तो हर हा में इस दिन आपको पूजा करनी चाहिए। संभव हो तो तीन से पांच रत्ती का नीलम दान करें या शुक्ल पक्ष के किसी शनिवार को जन्मलग्न अनुकूल होने पर ही नीलम धारण करें। पूजा करने से जहां इन राशियों को करियर की समस्याओं और चले आ रहे रोगों आदि से मुक्ति मिलेगी, वहीं कर्ज आदि उतरने के साथ-साथ विवाह की संभावना भी बनने गेगी। जिन लोगों की जन्मकुंडली में पितृ दोष से संतान आदि ना होने की आशंका है, उन्हें इस दिन अवश्य शनि की पूजा करने के बाद सरसों के तेल, काले तिल, काली उड़द की दाल आदि का दान अवश्य करना चाहिए। सर्दी में कंबल या ऊनी वस्त्र का दान भी बहुत शुभ माना जाता है। शनि देव उस आदमी से बहुत नाराज होते हैं, जो अपने नौकरों का अपमान करते हैं और किसी तरह का कष्ट आदि देते हैं। शनि से पीड़ित राशियों को इस दिन इस बात का प्रण लेना चाहिए कि वे किसी भी तरह से किसी को सताएंगे नहीं।

संपादकीय

बांग्लादेश में हिंसा: लोकतंत्र की परीक्षा

बांग्लादेश में दिसंबर 2025 की हिंसा ने देश की नाजुक राजनीतिक स्थिति को फिर से उजागर कर दिया है। 2024 की छात्र-नेतृत्व वाली क्रांति के नायक शरीफ ओसमान हादी की मौत ने व्यापक अशांति को जन्म दिया। 12 दिसंबर को मस्जिद से निकलते समय हादी पर अज्ञात हमलावरों ने गोली चलाई, जिसे बाद में अवामी लीग की छात्र इकाई छात्र लीग के सदस्य बताया गया। सिंगापुर में इलाज के दौरान 18 दिसंबर को उसकी मौत हो गई। इसके बाद ढाका सहित कई शहरों में प्रदर्शन हिंसक हो गए। प्रदर्शनकारियों ने प्रमुख समाचार पत्रों प्रथम आलो और डेली स्टार के दफ्तरों में आग लगाई, सांस्कृतिक संस्थाओं पर हमले किए और भारत विरोधी नारे लगाए। चटगांव में भारतीय सहायक उच्चायोग पर हमला हुआ, जबकि कुछ जगहों पर अवामी लीग से जुड़े स्थलों को निशाना बनाया गया। शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार सत्ता में आई, लेकिन राजनीतिक बदले की भावना, कट्टरपंथी तत्वों का उभार और संस्थागत कमजोरी ने देश को अस्थिर बनाया हुआ है। हादी की मौत को अवामी लीग के अवशेषों से जोड़ा जा रहा है, जबकि प्रदर्शनकारियों का गुस्सा भारत की ओर भी मुड़ा, क्योंकि हमलावरों के भारत भागने की खबरें आईं। इससे द्विपक्षीय संबंधों पर तनाव बढ़ा और भारत ने अपने वीजा केंद्र बंद कर दिए। हिंसा में अल्पसंख्यकों पर भी असर पड़ा। देश में एक हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की कथित ईशनिंदा के आरोप में भीड़ द्वारा हत्या कर दी गई। अंतरिम सरकार ने इसे लिंचिंग करार दिया और गिरफ्तारियां कीं, लेकिन यह घटना 2024 के बाद से जारी अल्पसंख्यक उत्पीड़न की याद दिलाती है। संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने शांति की अपील की है, क्योंकि फरवरी 2026 में चुनाव होने हैं। यूनुस सरकार ने मीडिया और अल्पसंख्यकों पर हमलों की निंदा की, लेकिन कानून-व्यवस्था की कमी सवाल उठा रही है। यह हिंसा सिर्फ एक व्यक्ति की मौत का बदला नहीं, बल्कि गहरी विभाजन की अभिव्यक्ति है। 2024 की क्रांति ने भले ही शेख हसीना की सरकार को उखाड़ फेंका, लेकिन नए बांग्लादेश में न्याय, समावेश और स्थिरता की कमी दिख रही है। कट्टरवाद और राजनीतिक प्रतिशोध अगर नहीं रोके गए, तो लोकतंत्र की उम्मीदें धूमिल हो सकती हैं। अंतरिम सरकार को निष्पक्ष जांच, कट्टर तत्वों पर लगाम और चुनावी तैयारी पर फोकस करना होगा। पड़ोसी देशों, खासकर भारत के साथ संवाद बढ़ाना जरूरी है, ताकि क्षेत्रीय स्थिरता बनी रहे। बांग्लादेश के लोग फिर से सड़कों पर हैं - इस बार न्याय और शांति के लिए। उम्मीद है कि यह अशांति नए युग की शुरूआत बने, न कि पुरानी गलतियों की पुनरावृत्ति। देश को एकजुट होकर आगे बढ़ना होगा, वरना हिंसा का चक्र कभी नहीं टूटेगा। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

बचपन पर बोझ नहीं, संरक्षण चाहिए

हाल ही में 10 वर्षीय एक बच्चे की अचानक मृत्यु से जुड़ा समाचार केवल एक दुखद घटना नहीं है, बल्कि हमारे समय की सबसे गंभीर सामाजिक विडंबना का संकेत है। चिकित्सकों द्वारा बताए गए संभावित कारण-अधूरी नींद, बिना नाश्ता स्कूल जाना, भारी स्कूल बैग, होमवर्क और प्रदर्शन का मानसिक दबाव, समय पर व पौष्टिक भोजन का अभाव-एक ऐसे तंत्र की ओर इशारा करते हैं, जिसमें बचपन लगातार कुचला जा रहा है। यह घटना हमें यह सोचने के लिए मजबूर करती है कि क्या हम बच्चों को बेहतर भविष्य देने की कोशिश में उनका वर्तमान छीन रहे हैं। आज का समाज उपलब्धियों की अंधी दौड़ में फँसा हुआ है। अभिभावक, शिक्षक और संस्थाएँ-सभी किसी न किसी रूप में प्रतिस्पर्धा को जीवन का मूल मंत्र मान बैठे हैं। इस प्रतिस्पर्धा का सबसे कमजोर शिकार वे बच्चे हैं, जिनकी उम्र अभी खेलने, सीखने और सहज विकास की है। चार-पाँच साल की उम्र में जब बच्चा दुनिया को समझना शुरू करता है, तब उससे अपेक्षा की जाती है कि वह तय समय पर उठे, तय पाठ्यक्रम पूरा करे, परीक्षा में अव्वल आए और भविष्य की दिशा अभी से तय कर ले। यह सोच न केवल अवैज्ञानिक है, बल्कि अमानवीय भी है। बाल मनोविज्ञान स्पष्ट रूप से बताता है कि शुरूआती वर्षों में बच्चे का मस्तिष्क सबसे अधिक लचीला और संवेदनशील होता है। इस दौर में उस पर डाला गया दबाव उसके व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और स्वास्थ्य पर दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ता है। नींद की कमी, तनाव और भय की स्थिति में सीखने की प्रक्रिया बाधित होती है। फिर भी, हम सुबह कच्ची नींद में बच्चों को जगाते हैं, उन्हें बिना नाश्ता कराए स्कूल भेज देते हैं और उनसे उम्मीद करते हैं कि वे पूरे दिन सक्रिय और एकाग्र रहेंगे। यह उम्मीद वास्तविकता से कोसों दूर है। भारी स्कूल बैग वर्षों से चर्चा का विषय रहे हैं। सरकारी दिशा-निर्देश और न्यायालयों के आदेशों के बावजूद, आज भी छोटे बच्चे अपने वजन से अधिक बोझ कंधों पर ढोते दिखाई देते हैं। यह केवल शारीरिक समस्या नहीं है; यह मानसिक संदेश भी देता है कि शिक्षा एक बोझ है, आनंद नहीं। जब शिक्षा बोझ बन जाती है, तो बच्चे के मन में सीखने के प्रति स्वाभाविक जिज्ञासा धीरे-धीरे समाप्त होने लगती है। होमवर्क और परीक्षा का दबाव इस समस्या को और गहरा करता है। होमवर्क का उद्देश्य कक्षा में सीखी गई बातों को दोहराना और समझ को मजबूत करना होना चाहिए, न कि बच्चे को भयभीत करना। लेकिन व्यवहार में होमवर्क अक्सर दंड का रूप ले लेता है। अधूरा रहने पर डाँट, सजा और तुलना-ये सब बच्चे के आत्मसम्मान को चोट पहुँचाते हैं। वह सीखने के बजाय गलती से डरने लगता है, और यही डर आगे चलकर तनाव, चिंता और अवसाद का कारण बनता है। भोजन और दिनचर्या भी बच्चों के स्वास्थ्य में अहम भूमिका निभाते हैं। स्कूल में समय पर और पौष्टिक भोजन न मिलना, ठंडा लंच खाने की मजबूरी, और घर लौटते ही बिना आराम नहाने व पढ़ने का दबाव-यह सब बच्चे के शरीर की प्राकृतिक जरूरतों की अनदेखी है। शरीर और मन को विश्राम की आवश्यकता होती है। बिना विश्राम के लगातार गतिविधि बच्चे की सहनशीलता को तोड़ देती है। यह सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि हम बच्चों से आखिर चाहते क्या हैं। क्या हम उन्हें खुश, स्वस्थ और संवेदनशील इंसान बनाना चाहते हैं, या केवल अंक और पदवी हासिल करने वाली मशीन? जब अभिभावक अपने बच्चे को दूसरों से तुलना करते हैं-फलाँ का बच्चा यह कर रहा है, तुम क्यों नहीं-तो वे अनजाने में उसके मन में हीन भावना भर देते हैं।

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन को बेसिक लाइफ सपोर्ट (सीपीआर) प्रशिक्षण हेतु वर्ल्ड रिकॉर्ड सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन को बेसिक लाइफ सपोर्ट (सीपीआर) प्रशिक्षण के क्षेत्र में एक दिन में सर्वाधिक लोगो को बेसिक लाइफ सपोर्ट प्रक्षिषण के लिए ऑक्सफोर्ड वर्ल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित किया गया है। क्लब अध्यक्ष संजय अग्रवाल एवं कार्यक्रम के चीफ कोऑर्डिनेटर नीरज गंगवाल ने बताया कि क्लब पिछले 18 महीनों से निरंतर जयपुरवासियों को बेसिक लाइफ सपोर्ट (सीपीआर) का प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है और अब तक लगभग 5500 लोगों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि आज होटल क्लार्क्स आमेर में आयोजित वर्ल्ड हेल्थ वेलनेस फेस्ट के दौरान एक ही दिन में 1908 लोगों को बेसिक लाइफ सपोर्ट का प्रशिक्षण देकर क्लब ने यह वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया। क्लब के चार्टर अध्यक्ष सुधीर जैन गोधा ने कहा कि वर्तमान समय में इस प्रकार के प्रशिक्षण की अत्यधिक आवश्यकता है, क्योंकि कम उम्र में भी हृदयाघात जैसी घटनाएं बढ़ रही हैं। ऐसे में सीपीआर प्रशिक्षण आपात स्थिति में रोगी के जीवन की रक्षा करने में अत्यंत सहायक सिद्ध हो सकता है। क्लब सचिव आशीष बैद एवं कोषाध्यक्ष अजय जैन ने बताया कि यह कार्यक्रम एसएमएस हॉस्पिटल स्किल लैब के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित ट्रेनर राजकुमार यादव, राधेलाल शर्मा एवं उनकी टीम द्वारा प्रतिभागियों को इस जीवनरक्षक प्रशिक्षण का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के समन्वयक सुनील जैन बिल्टीवाला, सचिन जैन, संदीप जैन, एम.एल. सोनी, महेश शर्मा एवं डॉ. लक्ष्मीकांत सोनी रहे। कार्यक्रम की संयोजक मुकेश मिश्रा, पायल जैन, वर्षा अजमेरा एवं रीमा शाह ने बताया कि प्रशिक्षण पूरे दिन में पाँच बैचों में संपन्न कराया गया।

विश्व ध्यान दिवस पर बीलवा पैलेस, जयपुर में आध्यात्मिक आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर ऐतिहासिक बीलवा पैलेस, जयपुर में जैन इंजीनियर्स सोसाइटी-जयपुर चैप्टर द्वारा एक गरिमामय एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन जैन इंजीनियर्स सोसाइटी के 18वें राष्ट्रीय अधिवेशन के अंतर्गत संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना से की गई, जिससे वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा एवं शांति का संचार हुआ। इस अवसर पर कोटा के सुप्रसिद्ध योगाचार्य एवं ध्यान विशेषज्ञ योगाचार्य इं. मनीष जैन को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि सूक्ष्म व्यायाम के माध्यम से दिनभर शरीर को किस प्रकार स्वस्थ, सक्रिय और ऊर्जावान रखा जा सकता है। उन्होंने सरल एवं प्रभावी अभ्यासों का व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया। विश्व ध्यान दिवस के उपलक्ष्य में योगाचार्य मनीष जैन ने शरीर में स्थित सात चक्रों पर ध्यान केंद्रित कराते हुए बताया कि चक्रों का मानव शरीर पर गहरा शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को 30 मिनट के विशेष ध्यान सत्र के माध्यम से योगिक विधि द्वारा चक्रों को जाग्रत कर उन्हें संतुलित करने की प्रक्रिया का अनुभव कराया। इस ध्यान सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने आंतरिक शांति, ऊर्जा संतुलन एवं मानसिक स्थिरता का अनुभव किया। कार्यक्रम में देशभर से पधारे जैन इंजीनियर्स, वरिष्ठ पदाधिकारी एवं अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। बीलवा पैलेस का शांत वातावरण और सामूहिक ध्यान साधना ने कार्यक्रम को अत्यंत प्रभावशाली बना दिया। अंत में योगाचार्य इं. मनीष जैन ने जैन इंजीनियर्स सोसाइटी झ जयपुर चैप्टर का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में स्वास्थ्य, चेतना और शांति का संदेश प्रसारित करते हैं।

योगाचार्य इं. मनीष जैन
योग मास्टर एवं थेरेपिस्ट
Yoga From Heart

अल्पसंख्यक दिवस पर राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग में विशेष कार्यक्रम का आयोजन

जैन दर्शन, प्राकृत भाषा,आगम साहित्य के अध्ययन हेतु शोध फैलोशिप,अकादमिक चेयर और अध्ययन केद्रों की स्थापना एवं जैन तीर्थो का संरक्षण होना चाहिए: डॉ. इन्दु जैन राष्ट्र गौरव

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के तत्त्वावधान में एनसी एम की सचिव अलका उपाध्याय एवं वहां के अधिकारियों के सानिध्य में अल्पसंख्यक दिवस का आयोजन किया गया जिसमें सभी अल्पसंख्यक धर्म के एक प्रतिनिधि को विशेष वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया ।इस अवसर पर आयोग के सौजन्य से छह अल्पसंख्यक समुदाय के गणमान्य व्यक्ति डॉ. माईकल वी विलियम्स,डॉ. मो. तौहीद आलम, प्रो. हरबंस सिंह, आचार्य येषी फुत्सोक,डॉ. इन्दु जैन राष्ट्र गौरव और मरजबान नरीमन जरीवाला इन सभी व्यक्तियों को अपने समुदाय का नेतृत्व करने के लिए विशेष वक्ता के तौर पर कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया। आयोग की सचिव अल्का उपाध्याय ने सभी वक्ताओं का शॉल और प्रतीक चिह्न देकर स्वागत किया। इन सभी विशेष वक्ताओं ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपने-अपने समुदाय की बुनियादी समस्याओं से आयोग को अवगत कराया। जैनधर्म की ओर से अल्पसंख्यक आयोग की विशेषज्ञ सलाहकार सदस्या,जैनधर्म की राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि डॉ. इन्दु जैन राष्ट्र गौरव ने विशेष वक्ता के रूप में वक्तव्य का प्रारंभ प्राकृत भाषा में निबद्ध 'णमोकार महामंत्र' से किया ।डॉ. इन्दु ने जैनधर्म-जैनतीर्थ-जैनसमाज-प्राकृतभाषा के महत्त्वपूर्ण योगदान के साथ अल्पसंख्यक आयोग किस तरह से और किन क्षेत्रों में जैन समाज का सहयोग कर सकता है इस विषय का भी विवेचन किया। तत्पश्चात उन्होंने अपने विशेष वक्तव्य में आयोग को जैन समाज की समस्याओं से अवगत करवाया एवं आयोग के माध्यम से उन समस्याओं के समाधान हेतु कुछ सुझाव भी दिए ।डॉ. इन्दु ने कहा कि जैन अल्पसंख्यक समाज के लिए विशेष शैक्षणिक एवं अनुसंधान योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू करने ,जैन दर्शन, प्राकृत भाषा एवं आगमिक साहित्य के अध्ययन हेतु शोध फैलोशिप,अकादमिक चेयर और अध्ययन केंद्रों की स्थापना का भी सुझाव दिया। जैन अल्पसंख्यक संस्थानों के लिए प्रक्रियाओं को सरल,पारदर्शी और व्यावहारिक बनाने एवं जैन तीर्थों और ऐतिहासिक स्थलों को अल्पसंख्यक सांस्कृतिक विरासत संरक्षण के अंतर्गत समुचित संरक्षण प्रदान करने की बात कही। उन्होंने प्राकृत भाषा को भारत की शास्त्रीय भाषा घोषित करने के लिए माननीय प्रधानमंत्री ,भारत सरकार का आभार व्यक्त किया तथा साथ ही प्राकृत भाषा के विस्तार हेतु उसकी शिक्षा के लिए विशेष कदम उठाने की बात भी कही। माननीया सचिव महोदया अलका उपाध्याय ने सभी वक्ताओं को धैर्यपूर्वक सुना ।उन्होंने कहा कि आप सभी अल्पसंख्यक धर्म एक गुलदस्ते की तरह हैं और आयोग आप सभी के विकास के लिए कार्य कर रहा है तथा सभी समस्याओं के समाधान पर अवश्य विचार किया जाएगा। मनोज कुमार सिंह,सुनील कुमार सिंह,राजीव मोहन आदि आयोग के अधिकारियों ने भी विषयों का संज्ञान लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी अल्पसंख्यक धर्म के सहयोगियों को परिचर्चा के माध्यम से एक-एक बात रखने का अवसर दिया गया इसमें सभी लोगों ने अपने विचार को सांझा किए। इसमें जैनधर्म से पारस चैनल के चेयरमैन प्रकाश मोदी ने भी तीर्थ संरक्षण की बात कही तथा तीर्थ क्षेत्र कमेटी से प्रद्युम्न जैन ने जैन मुनियों, साध्वियों के विहार में आने वाली समस्याओं के विषय में अवगत कराया और समाधान के प्रयास की बात कही। जैन समाज से समाजसेवी राकेश जैन ,सुनंदा जैन भी उपस्थित रहे।

ज्ञान भारतम संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार की टीम ने किया विश्वगुरुदीप आश्रम शोध संस्थान का निरीक्षण

जयपुर. शाबाश इंडिया। ज्ञान भारतम् संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के अंडर सेक्रेटरी भरत कुमार ने ज्ञान भारतम् के कलस्टर सेंटर विश्वगुरुदीप आश्रम शोध संस्थान जयपुर का निरीक्षण किया। इस दौरान कपिल अग्रवाल भी मौजूद रहे इस मौके पर भरत कुमार ने संस्थान में संग्रहीत पाण्डुलिपियों एवं व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर कार्य करने व ज्ञान भारतम् के मिशन की जानकारी दी। राजस्थान के 7 जिलों में शोध संस्थान समन्वयक महामण्डलेश्वर स्वामी ज्ञानेश्वरपुरी के मार्गदर्शन में पाण्डुलिपि सर्वे का कार्य किया जा रहा है। सर्वेक्षण अधिकारी सीमा अग्रवाल ने बताया कि राजस्थान के 7 जिलों में मठ, मन्दिर , निजी संस्थानों तथा व्यक्तिगत संग्रहों में यह सर्वे कार्य किया गया।

जच्चा को गोंद के लड्डू, शिशुओं को खिलौने वितरित

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

सबकी सेवा सबको प्यार जीवो ओर जीने दो, दोस्ती से सेवा के उदेश्यो वाली सेवाभावी संस्था महावीर इन्टरनेशनल कुचामन सिटी वीरा धरा द्वारा दिनाँक 21/12/25 रविवार को 11 बजे स्वस्थ जच्चा स्वस्थ बच्चा की भावना से राजकीय चिकित्सालय मे डॉक्टर कल्पना गुप्ता के सानिध्य मे वीरा सचिव शारदा वीर सोहन लाल वर्मा के सौजन्य से सभी महिलाओ को गोंद के लड्डू देकर नवजात शिशुओं को खेलने हेतु खिलोने देकर वीरा सचिव शारदा वर्मा ने सभी नवजाज बच्चों को अपनी गोद मे लेकर उज्जवल भविष्य की कामना के साथ आशीर्वाद दीया।इस कार्यक्रम मे संस्था अध्यक्ष वीरा सरोज पाटनी, वीर अध्यक्ष रामावतार गोयल, वीरा सुनिता गंगवाल, वीरा विजयकोर बिडसर,वीर अशोक अजमेरा, वीर सम्पत बगडिया, वीर तेजकुमार बडजात्या, वीर नरेश कुमार जैन, वीर विकास नीता पाटनी ने शुभकामनायें देकर वितरण मे सहयोग किया।

-वीर सुभाष पहाडिया

समाज सेवा को समर्पित जौहरी बाजार दिगम्बर जैन महिला समिति के चुनाव सम्पन्न

अध्यक्ष डॉ शीला जैन व मंत्री पुष्पा सोगानी बनी

जयपुर. शाबाश इंडिया

जौहरी बाजार दिगम्बर जैन महिला समिति के त्रिवर्षीय चुनाव संपन्न। साधारण सभा में सर्वसम्मति से लगातार 11वीं बार डा शीला जैन को जौहरी बाजार दिगम्बर जैन महिला समिति का अध्यक्ष मनोनीत किया। इसके पश्चात 19 दिसंबर 2025 शुक्रवार को सर्वसम्मति से निर्वाचित अध्यक्ष डा शीला जैन ने जौहरी बाजार दिगम्बर जैन महिला समिति की नई कार्यकारिणी का गठन किया। इसमें आमंत्रित सभी सदस्यों से सहमति प्राप्त कर डॉ शीला जैन ने संरक्षक, कार्यकारिणी सदस्य और संयोजक मनोनीत किए। इस दौरान 11वीं बार पुनः पुष्पा सोगानी (एडवोकेट) को समिति का मंत्री मनोनीत किया गया, वही समिति का कोषाध्यक्ष तरुणा संघी को मनोनीत किया गया। समिति की वरिष्ठ उपाध्यक्ष इंदिरा चांदकीका व मीनाक्षी जैन बनी। उपाध्यक्ष कविता अजमेरा व संगीता छाबड़ा बनी। समिति की संयुक्त मंत्री सुधा शाह, ममता शाह (एडवोकेट), बबीता सोगानी व बीना सोगानी बनी। सांस्कृतिक मंत्री उमा पाटनी व अर्चना पाटनी बनी । समिति की स्वास्थ्य मंत्री सुधा वैद बनी। समिति की प्रचार मंत्री डॉ साधना गोदिका, नीरा लुहाड़िया व प्रचार संयोजिका रीमा गोधा बनी। इसके अलावा संगठन मंत्री, पुस्तकालय मंत्री, भंडार व्यवस्थापक व कार्यकारिणी सदस्यों का भी गठन किया गया। इसके अलावा समिति द्वारा संचालित श्री आदिनाथ स्वास्थ्य निधि आश्रम की कोषाध्यक्ष विद्या कासलीवाल व मुख्य संयोजक चंपा गोधा को मनोनीत किया गया।

श्रीमति मंजु जैन HRPC जिला सचिव पद पर किया नियुक्त

HRPC की जनरल सेल में जिला अध्यक्ष की अनुशंषा पर श्रीमति मंजु जैन को जिला सचिव पद पर किया नियुक्त चित्तौड़गढ़ः ह्यूमन राइट्स प्रोटेक्शन सेल के जिला स्तर पर मंजु जैन को सचिव पद पर नियुक्त किया गया।मानवाधिकार संरक्षण,संगठनात्मक समन्वय एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति प्रतिबद्धता एवं कार्यक्षमता को देखते हुए यह दायित्व सौंपा गया है।यह एक ऐसी संस्था है जो यह सुनिश्चित करती है कि सभी व्यक्तियों के मानवाधिकारों का सम्मान हो और उल्लंघन होने पर उन्हें न्याय मिल सके।श्री मति जैन पूर्व में किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण)अधिनियम 2015 के तहत् जिले में स्थापित बाल कल्याण समिति में सदस्य पद पर अनेकों सराहनीय कार्य कर पहचान बनाई।उनके सराहनीय कार्यों के उपलक्ष में गणतंत्र दिवस समारोह में जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया गया।अभी वर्तमान में कई संगठनों से जुड़ी होकर अखिल भारतवर्षीय श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति चित्तौड़गढ़ संभाग अध्यक्ष है।उनके उल्लेखनीय कार्यों के कारण पुनः अध्यक्ष चुना गया। सामाजिक व धार्मिक उपलब्धियों पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री महिला महासमिति द्वारा उत्कृष्ठ सेवा सम्मान देकर सम्मानित किया गया। मंजु जैन ने मानवाधिकार के कार्यों को सबके साथ मिलकर पूरा करेगी ऐसा विश्वास दिलाया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज के वतरण दिवस पर जरुरतमंदो कों कंबल वितरण : हिमांशु जैन

कानपुर (उ.प्र). शाबाश इंडिया। पट्टाचार्य भगवन विशुद्ध सागर महाराज जी के अवतरण दिवस पर मेरे प्रिय मित्र कानपुर (उ.प्र.) निवासी हिमांशु भाई ने जरुरतमंदो कों कंबल वितरित करके आचार्य भगवन का अवतरण दिवस अनोखे तरीखे से मनाकर आचार्य भगवन के सच्चे परम भक्त द्वारा जरुरतमंदो के चेहरे पर मुस्कान लायी हैं।इस स्तुत्य कार्य के लिए हिमांशु भाई को बहोत बहोत अनुमोदना। आचार्य श्री विरागसागर महाराज जी के सुशिष्य, आध्यात्म योगी, चर्या शिरोमणी, वितरागी श्रमण - संस्कृति के आध्यात्मिक सद्गुरू दिगंबराचार्य का नाम है - श्री विशुद्धसागरजी महाराज। भारत कि पावन वसुंधरा पर अनेकों ऋषी मुनीयों ने अपनी पवन चरण धुलि से इस वसुमती को परम पवित्र किया है और समाज को एक नई दिशा प्रदान कि है ।इसी शृंखला में इक्कीसवीं सदी के एक दूर - दृष्टा, युवाओं के प्रेरणा पुंज, आगमनुसार आचरण कर के जन - जन को सद् - बोध देने वाले आध्यात्मिक गुरू पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज द्वारा वर्तमान में कि गई धर्मप्रभावना समाज के समक्ष उपस्थित है ।सत्य, अहिंसा, मैत्री, जियो और जिने दो के साथ आचार्य विरागसागर महाराज जी के चमकते सितारे आचार्य श्री विशुद्धसागर महाराज जी का मुख्य नारा नमोस्तु शासन जयवंत हो है। चर्या शिरोमणी आचार्य भगवन श्री विशुद्धसागर जी महाराज का जन्म मध्य प्रदेश के भिंड में 18 दिसम्बर 1971 को हुआ ।आपका गृहग्राम रूर है, जहाँ आपकी प्राथमिक शिक्षा दसवीं तक संपन्न हुई थी। क्षुल्लक दीक्षाः राजेंद्र (लला) ने आचार्य विराग सागर महाराज जी के कर कमलो से दिनांक ११ अक्टूबर १९८९ को भिंड में भव्य क्षुल्लक दीक्षा ग्रहण की। उनका नाम रखा गया क्षुल्लक श्री यशोधर सागर जी । इस समय इनकी आयु १८ वर्ष की थी। **ऐलक दीक्षाः** परम पूज्य क्षुल्लक श्री यशोधर सागर जी ने आचार्य विराग सागर महाराज जी के कर कमलो से २ वर्ष बाद दिनांक १९ जून १९९१ को भव्य ऐलक दीक्षा पन्ना नगर में ग्रहण की ।**मुनि दीक्षाः** ऐलक दीक्षा के ६ माह बाद ही परम पूज्य ऐलक श्री यशोधर सागर महाराज जी ने २० वर्ष की आयु में अपने गुरुवर आचार्य श्री विराग सागर महाराज से श्रेयांस गिरी में दिनांक २१-११-१९९१ को भव्य मुनि दीक्षा ग्रहण की । और नाम रखा गया मुनि श्री १०८ विशुद्धसागर जी महाराज। **आचार्य पदारोहणः** परम पूज्य आचार्य श्री विरागसागर महाराज जी ने आपकी योग्यता को परखकर औरंगाबाद (महाराष्ट्र) में दिनांक ३१ मार्च २००७ को महावीर जयंती के पावन दिवस पर विशुद्धसागर महाराज जी को परम पूज्य आचार्य श्री विराग सागर जी के कर कमलो से आचार्य पद प्रदान किया ।मुनि दीक्षा के १५ वर्ष ६ माह बाद ३५ वर्ष की आयु में आचार्य पद पर प्रतिष्ठित किया गया।

विशुद्ध परम भक्त
श्री अभिषेक अशोक पाटील,कोल्हापुर

श्रीमद् भागवत कथा सुनना परमात्मा की प्राप्ति का माध्यम- संत मुमुक्षु रामजी महाराज

कलश यात्रा के साथ अग्रवाल उत्सव भवन में श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव का आगाज

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। श्रीमद् भागवत कथा सुनने से जीवन धन्य हो जाता है एवं यह परमात्मा की प्राप्ति का माध्यम है। भक्ति व श्रद्धा के साथ श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण संसार के सर्वसुखों की प्राप्ति कराता है। ये बात शहर के रोडवेज बस स्टेण्ड के पास अग्रवाल उत्सव भवन में रविवार को पोरवाल परिवार की ओर से सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव का आगाज होने के अवसर पर पहले दिन व्यास पीठ से कथा वाचन करते हुए सोजत रामद्वारा के रामस्नेही संत श्री मुमुक्षु रामजी महाराज ने कहीं। कथा में रामस्नेही संत डॉ. रामस्वरूप शास्त्री का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। कथा प्रारंभ होने से पूर्व सुबह भव्य कलश यात्रा भी निकाली गई। पहले दिन श्रीमद् भागवत की स्थापना के साथ श्रीमद् भागवत महात्म्य मंगलाचरण का वाचन हुआ। संत श्री मुमुक्षु रामजी महाराज ने श्रीमद् भागवत कथा का महत्व समझाते हुए कहा कि मनुष्य ही है जो भागवत कथा जैसा आयोजन कर सकता है। मानव शरीर से सुंदर कोई शरीर नहीं है। मानव जीवन में भी गृहस्थाश्रम सबसे उत्तम है लेकिन कलिकाल का प्रभाव इस पर भी हो रहा है। हमारे भारत देश ईश्वर का प्राक्टय स्थल होने से स्वर्ग से भी सुंदर एवं महान माना गया है। भारत की संस्कृति अनुपम है। परमात्मा से साक्षात कराने वाला श्रीमद् भागवत ग्रंथ मानव जीवन जीने का संविधान भी है। महाराजश्री ने कहा कि चार अक्षर से ही मनुष्य नाम बना और इतने ही अक्षर का नाम परमात्मा का भी है। परमात्मा की प्राप्ति के साधन भागवत का नाम भी चार अक्षर का है। उन्होंने भागवत कथा के दौरान किए जाने वाले कीर्तन व नृत्य का महत्व बताते हुए कहा कि निद्रा दूर भगाने और प्रभु भक्ति में रमने के लिए कीर्तन किया जाता है। जो कीर्तन में नहीं नाचता है उसे माया दुनिया में नचाती है। उन्होंने कहा कि भगवान को खुश देखना चाहते है तो कभी अपने माता-पिता को मत रूलाना और दूसरों से ईर्ष्या मत करना। भगवान की भक्ति सब कष्टों का अंत कर देती है। श्रीमद् भागवत प्रभु का प्रसाद एवं साक्षात दर्शन है। कथा के दौरान भजनों पर श्रद्धालु थिरकते रहे ओर माहौल भक्ति से ओतप्रोत रहा। पहले दिन कथा में व्यास पीठ की आरती कर आशीर्वाद प्राप्त करने वालों में समाजसेवी श्रीगोपाल राठी, बद्रीलाल लड्ढा, संतोषलाल बाहेती, ओमप्रकाश झंवर, केसरीमल सोमानी,सुंदरलाल सोमानी आदि शामिल थे। अतिथियों का स्वागत आयोजक पोरवाल परिवार के सदस्यों ने किया। इससे पूर्व श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव का आगाज सुबह भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। कलश यात्रा मियाचंदजी की बावड़ी से शुरू होकर कथास्थल अग्रवाल उत्सव भवन तक पहुंची। शोभायात्रा में चुनरी पहने हुए सैकड़ो महिलाएं सिर पर कलश धारण करके चल रही थी। कई महिला भक्त नृत्य करते हुए कलश शोभायात्रा में साथ चल रही थी। कलश शोभायात्रा में रामस्नेही संत डॉ. रामस्वरूप शास्त्री,कथावाचक पूज्य संत मुमुक्षु रामजी महाराज का भी सानिध्य मिला। कलश यात्रा में श्रीमद् भागवत कथा की पौथी जजमान पोरवाल परिवार के सदस्य अपने सिर पर धारण करते हुए चले। बैण्ड पर गूंज रही भक्तिपूर्ण स्वरलहरियां भी शोभायात्रा का माहौल धर्ममय बना रही थी। कलश शोभायात्रा में आयोजक पोरवाल समाज के सदस्यों सहित समाज के विभिन्न वर्गो के भक्तगण उत्साह के साथ शामिल हुए। श्रीमद् भागवत कथा का वाचन प्रतिदिन दोपहर एक से शाम 5 बजे तक होगा। कथा में दूसरे दिन 22 दिसम्बर को नारद व्यास संवाद, श्री शुक्र परीक्षित जन्म, भीष्म उपदेश प्रसंग का वाचन होगा। सात दिवसीय इस भव्य आयोजन के दौरान 24 दिसम्बर शाम 7.30 बजे से रासलीला का आयोजन होगा। इसी तरह 26 दिसम्बर को शाम 7.30 बजे से कथास्थल पर भक्ति संध्या का आयोजन होगा।

स्व. श्री प्रहलाद जी मीणा की प्रथम पुण्यतिथि पर ईश्वर नगर में पहला रक्तदान शिविर में 65 यूनिट रक्तदान हुआ: लक्ष्मण मीणा

पिता के चारों पुत्रों व पुत्रवधू ने किया रक्तदान:- रामलाल मीणा

जिला प्रवक्ता रामलाल मीणा व जिलाध्यक्ष रामलक्ष्मण मीणा नर्सिंग ऑफिसर ने बताया कि रक्तकोष फाउंडेशन बूंदी व लक्ष्मण रेखा ट्रस्ट (एलआरटी) के संयुक्त तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन 21 दिसंबर 2025 को ईश्वर नगर केशवराय पाटन में आयोजित किया गया जिसमें 65 यूनिट रक्तदान एकत्रित हुआ। रक्तदान शिविर की शुरूआत स्व. प्रहलाद जी मीणा की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर शुरूआत की। रक्तदान शिविर में श्री रुपेश शर्मा, कजोड़ मीणा, गोबरी लाल मीणा, महावीर मीणा, घनश्याम, रामलाल मीणा, रामलक्ष्मण मीणा, रोहित मीणा तीरथ, पुरुषोत्तम तीरथ आदि अतिथिगण व रक्तवीर मौजूद रहे इस रक्तदान शिविर में 65 यूनिट रक्तदान संग्रहण करवाने में सबका सहयोग रहा।

इन रक्तवीरो ने किया रक्तदान

उर्मिला मीणा, रामलाल मीणा, सुरेश मीणा, अविनेश मीणा, श्याम सुंदर मीणा,नंद प्रकाश मीणा, कृष्ण मुरारी खिरवाल, दीपक मंगल, शंभू दयाल, अंकेश मीणा, पुरुषोत्तम नागर, मुकेश नागर, राजेंद्र मीणा, पवन बैरागी, दिनेश, आकाश मीणा, श्याम बिहारी, नागेंद्र मीणा, नंदकिशोर मेघवाल, देवेंद्र मीणा, हेमराज मीणा, राजेंद्र मीणा, मोनू मीना, प्रेम शंकर मीणा, विनोद मीणा, निरंजन नागर, शिवनारायण नागर, दीपक मीणा, शिवप्रकाश, अशोक कुमार, अंकित बैरागी, शुभम, हेमराज मीणा, नेतराम मीणा, रामबिलास, लेखराज बैरवा, महावीर मीणा, अभिषेक मीणा, दीनदयाल मीणा, अनिल मीणा, रामराज मीणा, ईश्वर मीणा, सुरेंद्रमीणा, कुलदीप मीणा, राजेंद्र कुमार, नरेंद्र मीणा, रोहित मीणा, आकाश मीणा, पृथ्वीराज, अरविंद नागर, पंकज यादव, मुकेश मीणा, विजय मीणा, भारत राज मीणा, नरेश मीणा, राजेंद्र मीणा, चंद्रशेखर, योगेश,लोकेश मीणा, नरेश, ब्रह्मानंद, महावीर मीणा, तुलसीराम, प्रदीप कुमार मीणा, सियाराम सहित आदि रक्तवीरो ने रक्तदान किया।

इनका रहा सहयोग

रामलाल मीणा, रामलक्ष्मण मीणा नर्सिंग ऑफिसर, रोहित मीणा तीरथ, श्याम सुंदर मीणा, दीपक मंगल सहित अनेक रक्तवीरों का योगदान रहा।

इनसे मिली प्रेरणा

रामलाल मीणा अपने पिता की पुण्यतिथि पर नेक सेवा कार्य करना चाहते थे जिसकी प्रेरणा अपने दोस्त रामलक्ष्मण मीणा नर्सिंग ऑफिसर व सीताराम मीणा से मिली जो रक्तदान शिविर आयोजित करवाते रहते हैं इनकी प्रेरणा से

रामलाल मीणा ने भी अपने पिता की पुण्यतिथि पर साथियों के साथ मिलकर रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। रक्तकोष फाउंडेशन प्रवक्ता बूंदी रक्तवीर रामलाल मीणा ने बताया कि प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को एक वर्ष में तीन से चार बार रक्तदान करना चाहिए ताकि जरूरतमंदों को समय पर रक्तदान मिल सके जिससे मरीजों का जीवन को बचाया जा सके। इन्होंने किया रक्त संग्रहण

भव्य विमान उत्सव के साथ निकाली गई भगवान की शोभायात्रा

अशोक नगर में लोग भावुक, तो शाढ़ौरा में श्रद्धालु नृत्य करते हुए मना रहे थे उत्सव झ राष्ट्रसंत मुनि पुगंव श्री सुधासागर जी महाराज

शाढ़ौरा. शाबाश इंडिया

परम पूज्य राष्ट्रसंत मुनि पुगंव श्री सुधासागर जी महाराज के सान्निध्य में शाढ़ौरा में भगवान जिनेन्द्र देव के भव्य विमान महोत्सव एवं शोभायात्रा का आयोजन अपार उत्साह और श्रद्धा के साथ किया गया। मंत्रोच्चार के बीच नवीन जिनालय में भगवान श्री जी को दिव्य वेदी पर विराजमान किया गया। इस अवसर पर पूरा नगर भक्ति, उल्लास और आध्यात्मिक आनंद से सराबोर दिखाई दिया। मुनि श्री ने प्रवचन में कहा कि प्रकृति ने संसार को एक मत नहीं, अनेक मत दिए हैं। यदि संसार में केवल एक ही मत होता तो व्यवस्था और परामर्श की प्रक्रिया ही डगमगा जाती। कुछ लोग ऐसे होते हैं जो कर्म के उदय के अनुसार ही जीवन में ढलते चले जाते हैं। बहुत से जीव ऐसे हैं जो हंसना चाहते हैं लेकिन हंस नहीं पाते, वहीं कुछ ऐसे भी होते हैं जो सदा हंसते रहते हैं और चाहकर भी रो नहीं पाते। कुछ लोग ऐसे होते हैं जो जब चाहें हंस सकते हैं और रो सकते हैं, जबकि कुछ जीव इन सभी अवस्थाओं से ऊपर उठकर स्थिर प्रज्ञ हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह जगत बड़ा विचित्र है। यहां कुछ लोग पाप में लिप्त रहते हैं, तो कुछ ऐसे भी होते हैं जो संसार में रहते हुए भी हंसने-रोने से ऊपर उठ चुके होते हैं। अशोक नगर से प्रस्थान के समय जहां लोग भावुक होकर रो रहे थे, वहीं शाढ़ौरा में जनता आनंदित होकर नृत्य कर रही थी। यही साधु की चर्या है–धर्मात्मा को देखकर एक रोता है तो दस हंसते हैं। जब व्यक्ति रत्नत्रय को धारण कर लेता है, तब दुखी होने का प्रश्न ही नहीं उठता। संत सदा संतुष्ट रहते हैं और गुणों से परिपूर्ण होते हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं चित्र अनावरण के साथ हुआ। दीप प्रज्वलन शाढ़ौरा जैन समाज के अध्यक्ष डॉ. भरत जैन, महामंत्री, कोषाध्यक्ष राकेश जैन, अशोक नगर जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा, शैलेन्द्र श्रागर, ईसागढ़ जैन समाज के मंत्री राजेश जैन सहित अन्य प्रमुखजनों द्वारा किया गया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि परम पूज्य मुनि श्री सुधासागर जी महाराज के सान्निध्य में पहली बार भगवान जिनेन्द्र देव के भव्य विमान महोत्सव का आयोजन होना पूरे क्षेत्र के लिए सौभाग्य की बात है। जैन समाज शाढ़ौरा के अध्यक्ष डॉ. भरत जैन ने कहा कि आज हम सभी परम पूज्य के सान्निध्य में नवीन जिनालय की वेदी पर तीन लोक के नाथ को दिव्य वेदी पर विराजमान कर रहे हैं। जैन समाज अशोक नगर के मंत्री शैलेन्द्र श्रागर ने वार्षिक कलशाभिषेक की बोलियां घोषित कीं। सौधर्म इन्द्र पद की बोली डॉ. भरत जैन ने ली, वहीं इन्द्र पद की अन्य बोलियां अनिल बाझल, सनत इन्द्र, राकेश जैन, महेन्द्र इन्द्र एवं निर्मल कुमार जैन को प्राप्त हुईं। इसके पश्चात जगत कल्याण की कामना के साथ महाशांति मुखारविंद से संपन्न हुई। मुनि श्री ने कहा कि विमान महोत्सव नई रिश्तेदारी का नाम है, जिसमें जितने लोग आते हैं, वे सभी संग रिश्तेदार होते हैं। ज्ञानी व्यक्ति कर्म में धर्म खोजता है। वह वस्त्र, मकान और यहां तक कि जूते खरीदते समय भी धर्म का ध्यान रखता है। समीचीन दृष्टि वाला व्यक्ति यह संकल्प करता है कि वह हिंसा से निर्मित वस्तुओं का उपयोग नहीं करेगा और ऐसे स्थान पर निवास करेगा जहां धर्मात्मा लोग रहते हों। भगवान की जयमाला लेने का सौभाग्य ईसागढ़ जैन समाज के मंत्री राजेश जैन को प्राप्त हुआ, जबकि दूसरी जयमाला अनिल कुमार टर्का परिवार ने ली। दर्शनोदय तीर्थ थूबोनजी की जयमाला का सौभाग्य निर्मल कुमार एवं सुदीप कुमार सेठी सहित अन्य भक्तों को मिला। अंत में मुनि श्री ने कहा कि जो व्यक्ति धर्म और कर्म दोनों करता है, वह श्रेष्ठ है। जिस दिन गृहस्थ के मन में निष्काम वृत्ति जागृत हो जाती है, समझ लेना चाहिए कि उसके मुनि बनने का समय निकट आ गया है।

विश्व ध्यान दिवस 2025 का कार्यक्रम सम्पन्न

अजमेर (रोहित जैन)

स्थानीय जे.एल.एन. मेडिकल कॉलेज के डॉ. भीमराव अंबेडकर सभागार में हार्टफुलनेस संस्था के बैनर तले माननीय जल संसाधन मंत्री, राजस्थान सरकार श्रीमान सुरेश सिंह जी रावत महोदय के मुख्य आतिथ्य में 'एक विश्व एक हृदय' आदर्श वाक्य के साथ सम्पन्न हुआ। डॉ. अनुराधा झा, पूर्व मुख्य चिकित्सालय अधीक्षक के सान्निध्य में प्राणाहुति के साथ ध्यान क्रिया कराई गई। कार्यक्रम संयोजक डॉ. विकास सक्सेना, वरिष्ठ आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, शिविर संयोजक ने प्रभावी ढंग से उपस्थित लोगों को ध्यान कराया।

ध्यान के उपरांत लाभार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए

शारीरिक शिथिलता में 90 प्रतिशत, मानसिक सकारात्मक प्रभाव में 70 प्रतिशत तथा ध्यान क्रिया में सब कुछ भूलकर मग्न हुए लोगों का प्रतिशत 40 प्रतिशत के आशाजनक परिणाम परिलक्षित हुआ। डॉ. पार्थ सिंह, आचार्य, मनोविज्ञान विभाग ने मानसिक एवं भावनात्मक स्वास्थ्य में ध्यान की भूमिका पर सारगर्भित प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि ध्यान मानसिक परेशानियों में अत्यंत कारगर है। इससे भावनात्मक शांति, आत्म-जागरूकता की प्राप्ति तथा मानसिक स्पष्टता मिलती है। मस्तिष्क में एकाग्रता विकसित करने एवं भटकाव को रोकने का प्रभावी माध्यम ध्यान है। हालांकि स्थापित एंग्जायटी, अवसाद, पी.टी.एस.डी., स्किजोफ्रेनिया एवं ओ.सी.डी. जैसी बीमारियों में हार्टफुलनेस ध्यान दवाई का एक सहारा बन सकता है इलाज नहीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनीषा सक्सेना, पूर्व विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग, मेयूर स्कूल, अजमेर ने किया। ब्राइटर माइंड की ट्रेनर श्रीमती नेहा कपूर ने ध्यान के प्रभावों का आश्चर्यजनक प्रदर्शन जिशान गोरा 7वर्ष व नंदनी मेघानी 12 वर्ष द्वारा करवाया। व श्री मनीष पारीक ने समस्त मीडिया संचालन द्वारा कार्यक्रम को निखारा। मुख्य अतिथि माननीय जल संसाधन मंत्री महोदय ने अपने आशीर्वचन में ध्यान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए जागरूकता एवं प्रेरणादायक बातें कहीं। माननीय मंत्री जी ने अपने उद्बोधन में योग एवं ध्यान को प्राचीन भारतीय विधा बताते हुए कहा कि हमारे ऋषि मुनियों ने योग साधना के माध्यम से अनेक सिद्धियां प्राप्त की थी। भारत के स्वाधीनता के बाद विशेष तौर से यशस्वी प्रधानमंत्री परम आदरणीय मोदी जी के कार्यकाल में भारत की उत्तरोत्तर प्रगति भारत की बढ़ती जीडीपी और विश्व में भारत के तीसरी शक्ति के रूप में उभरने का जिक्र करते हुए अवगत कराया कि हम भारतीयों को ध्यान और योग को जीवन में अपनाना चाहिए जिससे हम प्रगति पद पर और आगे बढ़ सकें। कार्यक्रम में अतिरिक्त प्रधानाचार्य डॉ. सुनील माथुर, डॉ. श्याम भूतड़ा, डॉ. हेमेश्वर हर्षवर्धन, चिकित्सालय अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे, वरिष्ठ आचार्य डॉ. महेंद्र खन्ना, डॉ. जी.सी. मीणा, एडिशनल जज एवं सदस्य टेक्स बोर्ड श्रीमती उत्तरा माथुर, डॉ. प्रियेश माथुर सहित मेडिकल/नर्सिंग विद्यार्थी, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सृजनात्मकता पर अमित खंडेलवाल (आर्किटेक्ट) ने सत्र लिया। हार्टफुलनेस संस्था की नगर समन्वयक श्रीमती अमिंदर मॅक के साथ समस्त हार्टफुलनेस परिवार सदस्यों की कार्यक्रम को सफल बनाने में महती भूमिका रही। शिविर में क्यूआर कोड के माध्यम से अनेक लोगों ने अपने सुझाव एवं जिज्ञासाओं को विशेषज्ञों को प्रेषित किये व कार्यक्रम हेतु अपना पंजीकरण भी कराया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन एवं अल्पाहार के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी को दिया आशीर्वाद

नवनिर्वाचित राष्ट्रीय महासभा का राष्ट्रीय अधिवेशन सम्पन्न

न्यायमूर्ति नरेंद्र जैन ने दिलाई शपथ

निवाई. शाबाश इंडिया

श्री भारत वर्षीय दिगम्बर जैन महासभा, धर्म संरक्षिणी, तीर्थ संरक्षिणी, श्रुत संवर्धिनी एवं महिला महासभा की नवनिर्वाचित राष्ट्रीय कार्यकारिणी का अधिवेशन एवं शपथ ग्रहण समारोह आचार्य वर्धमान सागर महाराज एवं मुनि हितेन्द्र सागर महाराज संघ के सानिध्य में आयोजित किया गया जिसमें महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गजराज जैन गंगवाल दिल्ली के निर्देशन में अधिवेशन सम्पादीत सम्पादीत किया। अखिल भारतीय जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला एवं सुनील भाणजा ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ विनिता बगड़ी ने मंगलाचरण करके बालक बालिकाओं ने भक्ति नृत्य की प्रस्तुति दी। अधिवेशन की शुरूआत राष्ट्रीय अध्यक्ष गजराज जैन गंगवाल, कार्याध्यक्ष प्रकाश चंद बड़जात्या, राजकुमार सेठी कलकत्ता, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सेठी दिल्ली, रमेश तिजारिया जयपुर , हंसमुख जैन इन्दौर, राजेश जैन शाह अहमदाबाद, मनोज काला असम, कमल बाबू जैन, पवन गोधा दिल्ली राष्ट्रीय महामंत्री, संदीप जैन गुड़गांव, संजय पाटनी झारखण्ड, योगेश जैन दिल्ली, नवीन शास्त्री उत्तर प्रदेश, सहित महासभा के सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने राजकीय अतिथि आचार्य वर्धमान सागर महाराज के जयघोष के साथ श्री फल चडाक र आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम का संचालन पवन बोहरा एवं सुशील गिन्दोडी.ने किया। जैन समाज के प्रवक्ता राकेश संधी ने बताया कि वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर महाराज एवं मुनि हितेन्द्र सागर महाराज की मौजूदगी में पूर्व चीफ जस्टिस न्यायमूर्ति नरेंद्र कुमार जैन ने राष्ट्रीय महासभा की नवनिर्वाचित अध्यक्ष मंत्री सहित सभी

कार्यकारिणी को शपथ दिलाई गई। इस दौरान महासभा के सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने शपथ पत्र आचार्य श्री को भेंट किए। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला सुनील भाणजा एवं राकेश संधी ने बताया कि कार्यक्रम के अवसर पर बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य शान्तिसागर जी महाराज, आचार्य वीर सागर महाराज, आचार्य शिवसागर महाराज, आचार्य अजीत सागर, आचार्य धर्म सागर महाराज, आचार्य कल्प श्रुत सागर महाराज एवं आचार्य वर्धमान सागर महाराज का भक्तिमय केशव एण्ड पार्टी भोपाल के द्वारा भजनों की प्रस्तुतियां दी गई जिसमें सभी महिला मण्डलों द्वारा भक्ति नृत्य के साथ आचार्य श्री की पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष गजराज जैन गंगवाल ने कहा कि श्री भारत वर्षीय दिगम्बर जैन महासभा की स्थापना सन 1894 में सेठ राजा लक्ष्मण दास जी ने मथुरा में की थी। तब से अभी तक 32 श्रेष्ठी गण महासभा के अध्यक्ष पद को सुशोभित कर चुके हैं। स्वर्गीय निर्मल कुमार सेठी 40 वर्षों तक महासभा के अध्यक्ष रहे हैं। उन्होंने अध्यक्ष बनने के बाद भारत वर्ष के सभी 28 प्रांतों में महासभा की प्रांतीय शाखाओं की स्थापना की। तीर्थ क्षेत्र कमेटी का गठन भी महासभा ने 1902 में किया तथा श्री भारत वर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा की स्थापना स्व निर्मल कुमार सेठी ने 1998 में श्री महावीर जी में स्थापना की थी। इस दौरान अब तक

करीबन 770 मंदिरों का जीर्णोद्धार कार्य हो चुका है। इसी प्रकार जैन समाज के मंत्री महावीर प्रसाद पराणा ने जैन महासभा के आए हुए सभी अतिथियों का जैन समाज निवाई द्वारा स्वागत अभिनन्दन करके सम्बोधित किया। इस अवसर पर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने आचार्य 108 श्री वर्धमान सागर महाराज का आशीर्वाद लिया। जिसमें संपूर्ण राजस्थान सहित देश भर के श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में भाग लिया। सकल इस अवसर पर दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष नेमीचंद गंगवाल अमित कटारिया, चेतन गंगवाल, सन्मति चंवरिया शिखरचंद काला जितेन्द्र चंवरिया राजकुमार संघी, पवन बोहरा, सुशील गीन्दौड़ी मनोज पाटनी महेंद्र चवरिया पदमचंद टोंग्या हेमंत चंवरिया सुकुमाल चंवरिया ललित सिरस सहित कई जैन समाज के लोग मौजूद थे।

खंडेलवाल वेश्य महाकुंभ मै चौमूं नगर परिषद खंडेलवाल समाज के लोगों ने की शिरकत

खंडेला. शाबाश इंडिया। श्री खंडेलवाल वेश्य तीर्थ स्थान ट्रस्ट खंडेलवाल वेश्य धाम खंडेला धाम खंडेला मे आयोजित खंडेलवाल वेश्य महाकुंभ मै राजस्थान प्रदेश के जयपुर जिले की चोमू नगर परिषद के खंडेलवाल समाज के अध्यक्ष जुगल किशोर डंगायाच के नेतृत्व मे खंडेलवाल समाज के शिक्षाविद एवं सिक्किम प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, गैंगटोक सिक्किम के कुलसचिव प्रोफेसर रमेश कुमार रावत, रामबाबू रावत, मनोज मेठी, कृष्ण अवतार दूसाद, हनुमान डंगायाच, भगवान सहाय डंगायाच, नवल किशोर साकुनीया, राधा मोहन खंडेलवाल, कैलाश दुसाद, सीमा मेठी, सविता रावत, निर्मला डंगायाच, लता दुसाद, वीशाखा दुसाद, सुशीला दुसाद, अंजू खंडेलवाल, मुन्नी डंगायाच, अंकिता डंगायाच, आशा गुप्ता, सुमन साकुनीया सहित करीब 30 से अधिक महिला एवं पुरुष पदाधिकारियों, सदस्यों ने शिरकत की! इस अवसर पर सभी ने खंडेलवाल समाज की सामाजिक गतिविधियों मे सकरात्मक रूप से आगे भी इसी प्रकार से भाग लेने का संकल्प किया! सभी ने खंडेला धाम मे खंडेलवाल वेश्य समाज की 72 गोत्र की समस्त देवियो का मन्दिर मे जाकर पूजन अर्चना कर देश की खुशहाली की कामना की! इसके साथ ही खंडेला धाम मे बने भव्य गणेश मन्दिर, शिव मन्दिर, हनुमान मन्दिर के दर्शन कर भगवान का आशीर्वाद लिया! इस अवसर पर सभी ने खंडेलवाल समाज के देश के कोने कोने से आये खंडेलवाल समाज के लोगो को इस पावन आयोजन की बधाई दी एवं इस स्नेह मिलन के माध्यम से देश ही नहीं अपितु विश्व मे खंडेलवाल समाज की प्रतिभाओ की और से शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार, सहित विभिन्न छेत्रों मे किये जा रहे सामाजिक सरोकार के विभिन्न कार्यो का गहन मंथन किया! इसके साथ ही सभी ने समाज के विकास का पुरजोर समर्थन किया! चोमू नगर परिषद से खंडेलवाल समाज के आये सभी समाज बंधुओ ने समाज को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया! सभी ने समाज मे सकरात्मक गतिविधियों को बढ़ाने, समाज मे युवाओं को प्रोत्साहित करने, महिलाओ को समाज की गतिविधियों मे आगे लाने, महिला सशक्तिकरण, समाज के लोगों को शत प्रतिशत शिक्षित करने जैसे अनेक विषयों पर चर्चा की!

नेमीसागर कॉलोनी में दिगम्बर जैन संतों की त्रिवेणी का दुर्लभ संगम

जयपुर में पहली बार तीन दिगम्बर जैन संघों के 36 संतों का हुआ भव्य मिलन, धर्मसभा में उमड़े श्रद्धालु, वात्सल्य और वैराग्य का अद्भुत दृश्य

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेमीसागर कॉलोनी स्थित श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में रविवार सायंकाल दिगम्बर जैन संत परंपरा का एक ऐतिहासिक और दुर्लभ दृश्य साक्षात हुआ, जब जयपुर में पहली बार तीन आचार्य संघों का भव्य मिलन सम्पन्न हुआ। वाक्केशरी श्रमणाचार्य विनिश्चय सागर महाराज ससंघ का आचार्य सुन्दर सागर महाराज ससंघ एवं आचार्य शशांक सागर मुनिराज ससंघ से आत्मीय मिलन हुआ। इस अवसर पर तीनों संघों के कुल 36 दिगम्बर जैन संतों एवं आर्यिका माताजी के दर्शन का सौभाग्य सैकड़ों श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ। क्वीन्स रोड स्थित केसरी बाग बैंक्वेट के बाहर बनाए गए अस्थायी मंच पर जब एक ओर से आचार्य विनिश्चय सागर महाराज और दूसरी ओर से आचार्य सुन्दर सागर महाराज एवं आचार्य शशांक सागर मुनिराज मंच पर पहुंचे और परस्पर वात्सल्य भाव से आलिंगन किया, तो दृश्य ऐसा प्रतीत हुआ मानो राम-लक्ष्मण का अपने भ्राता भरत से मिलन हो रहा हो। उल्लेखनीय है कि आचार्य सुन्दर सागर महाराज का एक वर्ष बाद तथा आचार्य शशांक सागर मुनिराज का 19 वर्षों बाद आचार्य विनिश्चय सागर महाराज से मिलन हुआ। आचार्य विनिश्चय सागर महाराज जयपुर प्रवास समिति के महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि मिलन के उपरांत तीनों संघों के 36 संत एवं आर्यिका माताजी बैंड-बाजों के साथ विशाल जुलूस के रूप में नेमीसागर कॉलोनी के लिए रवाना हुए। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं द्वारा पाद-प्रक्षालन, आरती एवं पुष्पवर्षा की गई।

लोक अदालत में आपसी समझाइश से हुआ मामलों का निपटारा

नसीराबाद (रोहित जैन). शाबाश इंडिया। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अजमेर के निर्देशानुसार रविवार को न्यायालय परिसर में चतुर्थ राष्ट्रीय लोक अदालत-2025 का आयोजन किया गया जिसमे पक्षकारों के मध्य आपसी समझाइश से सिविल एवं फौजदारी, राजस्व एवं राजस्व प्रीलिटिगेशन सहित कुल 12588 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। तालुका सचिव ताराचंद खाती ने बताया कि लोक अदालत के आयोजन के लिए तालुका नसीराबाद में दो लोक अदालत बेंच का गठन किया गया। नसीराबाद क्षेत्र के न्यायालयों के सिविल, फौजदारी एवं प्री लिटिगेशन प्रकरणों के लिए एक बेंच न्यायिक अधिकारी श्रीमती सुमन गिठाला (अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट) की अध्यक्षता में गठित की गई जिसमें पैनल अधिवक्ता अभिषेक जैन को सदस्य बनाया गया। न्यायिक अधिकारी गिठाला (अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट) की अध्यक्षता में गठित बेंच ने बैंक एवं वित्तिय संस्थानों के प्री-लिटिगेशन के 36 प्रकरण एवं न्यायालयों के सिविल, फौजदारी के 151 प्रकरण निस्तारित किये गये। वही दूसरी बेंच न्यायिक अधिकारी महावीर सैनी (न्यायिक मजिस्ट्रेट) की अध्यक्षता में गठित की गई जिसमे उपखण्ड अधिकारी देवीलाल यादव को सदस्य बनाया गया। न्यायिक अधिकारी सैनी की अध्यक्षता में गठित बेंच ने राजस्व एवं राजस्व प्रीलिटिगेशन सहित कुल 12401 प्रकरणों का निस्तारण किया। इस अवसर पर आशीष कुमार अजमेरा, अध्यक्ष बार संघ, नसीराबाद, कमलेश गुर्जर, कालूराम गुर्जर, इत्यादि अधिवक्तागण एवं न्यायिक कर्मचारी हितेश शर्मा, रामेश्वर कुमावत, अमरदीप, त्रिभुवन नारायण, परमेश्वर, गौतम लाल मीणा, फैजान, सुखदेव रावत, विजेन्द्र पाल सिंह, पदमसिंह, रोहित गुर्जर, नाथूलाल जाट, मोहन सिंह रावत इत्यादि उपस्थित रहे।

जैन धर्म में शोध को जन-जन तक पहुंचाना हमारा कर्तव्य : अंतमुर्खी मुनि पूज्य सागर महाराज

राजेश जैन दद्दू

इंदौर। प्राकृत वाङ्मय के माध्यम से संस्कृति संरक्षण पर हुआ गहन चिंतन श्री दिगंबर जैन उदासीन आश्रम ट्रस्ट एवं कुन्दकुन्द ज्ञानपीठ, इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के द्वितीय दिन रविवार को विभिन्न सत्रों में जैन दर्शन, प्राकृत वाङ्मय एवं सिरि भूवलय के विविध आयामों पर गहन मंथन किया गया। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि प्रथम सत्र का शुभारंभ अंतमुर्खी मुनि पूज्य सागर महाराज के सान्निध्य में मंगलाचरण से हुआ। इस अवसर पर मुनि श्री ने अपने आशीर्वचन में कहा कि जैन धर्म में हो रहे शोध को जन-जन तक पहुंचाना हम सभी का कर्तव्य है। यदि धर्म-शोध से प्राप्त एक भी सूत्र जीवन में उतर जाए, तो जीवन सरल और सार्थक बन सकता है। सत्र में प्राकृत भाषा पर आधारित लघु नाटिका का मंचन भी किया गया। प्रथम सत्र की अध्यक्षता कालिदास अकादमी के निदेशक डॉ. गोविंद गंधेय ने की। सत्र में प्राकृत वाङ्मय की महत्ता, उसकी सांस्कृतिक भूमिका तथा संरक्षण की आवश्यकता पर विस्तार से विचार रखे गए। रेखा जैन ने बताया कि इस सत्र में सिरि भूवलय में 'ॐ' का स्थान, भारतीय एवं विदेशी विश्वविद्यालयों में जैन अध्ययन, तथा प्राकृत वाङ्मय के दार्शनिक और वैज्ञानिक पक्ष जैसे विषयों पर विशद मीमांसा की गई।